

शिक्षण ही नहीं बौद्धिक व भावनात्मक विकास का माध्यम ट्रांज़िशनल करिकुलम : फैजी

लखनऊ (एसएनबी)। इरम एजुकेशनल सोसाइटी के निदेशक इंजीनियर ख्वाजा सैयद मोहम्मद फैजी यूनस ने रविवार को कहा कि 15 दिवसीय 'ट्रांज़िशनल करिकुलम' सिर्फ एक शिक्षण कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि नए मेडिकल छात्रों के बौद्धिक और भावनात्मक विकास का माध्यम भी है। यह बात उन्होंने इरम यूनानी मेडिकल कॉलेज में शैक्षणिक वर्ष 2025 में प्रवेश लेने वाले छात्रों के स्वागत समारोह और 'ट्रांज़िशनल करिकुलम' कक्षाओं के औपचारिक शुभारंभ समारोह के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि इस 15 दिवसीय कार्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को यूनानी चिकित्सा के महत्व और उपयोगिता से अवगत कराना, उनकी अव्यक्त क्षमताओं को विकसित करना और उन्हें एनसीआईएसएम द्वारा लागू यूनानी चिकित्सा शिक्षा पद्धति के सभी नियमों से परिचित कराना है। इंजीनियर ख्वाजा सैयद मोहम्मद फैजी यूनस ने कहा कि यह करिकुलम विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सामर्थ्य के साथ चिकित्सा शिक्षा के नए चरण में प्रवेश करने में सहायता प्रदान करेगा।

मुख्य अतिथि प्रो. जमाल अख्तर ने इरम यूनानी मेडिकल कॉलेज को भारत के अग्रणी यूनानी चिकित्सा संस्थानों में शामिल होने पर बधाई दी। कॉलेज के प्राचार्य

प्रो. अब्दुल हलीम कासमी ने स्वागत एवं उद्घाटनीय भाषण दिया। सचिव इंजीनियर ख्वाजा सैयद मोहम्मद सैफी यूनस ने 'ट्रांज़िशनल करिकुलम' के महत्व पर एक विद्वतापूर्ण चर्चा की, जिसमें ऐतिहासिक संदर्भ में इसकी वास्तविकता और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट किया।

अध्यक्ष डा. ख्वाजा सैयद मोहम्मद बज्मी यूनस ने कहा कि इरम एक ऐसा संस्थान है जहां ज्ञान और नैतिकता का सुंदर संगम देखने को मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों को यूनानी

चिकित्सा के स्वर्णिम सिद्धांतों को समझने की प्रेरणा दी। समारोह का समापन डा. सना हसन के धन्यवाद शब्दों के साथ हुआ।

हकीम अजमल खान सेमिनार हॉल में आयोजित यह समारोह डा. मोहम्मद मुज्जमिल की मधुर आवाज़ में कुरआन पाठ और छात्रों द्वारा 'तराना इरम' की प्रस्तुति के साथ शुरू हुआ। अध्यक्षता डा. ख्वाजा सैयद मोहम्मद बज्मी यूनस (प्रबंधक, इरम एजुकेशनल सोसाइटी) ने की। इस अवसर पर डा. शाज़िया बेगम निदेशक, इरम यूनानी मेडिकल कॉलेज, नए छात्र और उनके अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जराहत विभाग के अध्यक्ष प्रो. जुबैर अहमद ने किया।

इरम एक ऐसा संस्थान है जहाँ ज्ञान और नैतिकता का सुंदर संगम देखने को मिलता है: खाजा बज्मी यूनुस

मुख्य अतिथि प्रोफेसर जमाल अख्तर ने इरम यूनानी मेडिकल कॉलेज को भारत के अग्रणी यूनानी चिकित्सा संस्थानों में शामिल होने पर बधाई दी। शैक्षणिक वर्ष 2025 में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए पंद्रह दिवसीय ट्रांजीशनल करिकुलम कक्षाओं का शुभारंभ।



नुमाइदा अपना अखबार लखनऊ, 02 नवंबर। इरम एजुकेशनल सोसाइटी, लखनऊ की चिकित्सा शिक्षा शाखा इरम यूनानी मेडिकल कॉलेज, लखनऊ में वर्तमान वर्ष 2025 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का स्वागत करने, उन्हें यूनानी चिकित्सा के महत्व और उपयोगिता से अवगत कराने, उनके मन एवं उनके पाक्षिक प्रशिक्षण कक्षाओं को प्रबुद्ध करने के लिए तथा अव्यक्त क्षमताओं को विकसित करने और यूनानी चिकित्सा शिक्षा पद्धति से संबंधित एनसीआईएसएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी और लागू किए गए सभी नियमों तथा विनियमों से अवगत कराने के लिए आज एक स्वागत समारोह के रूप में औपचारिक शुरुआत की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता

सोसाइटी के प्रबंधक डॉ. खाजा सैयद मोहम्मद बज्मी यूनुस ने की, मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर जमाल अख्तर निदेशक, यूनानी सेवाएं, उत्तर प्रदेश लखनऊ, विशिष्ट अतिथि इंजीनियर खाजा सैयद मोहम्मद सैफी यूनुस सचिव इरम एजुकेशनल सोसाइटी, अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में इंजीनियर खाजा सैयद फौजी यूनुस निदेशक, इरम एजुकेशनल सोसाइटी लखनऊ एवं इरम यूनानी मेडिकल कॉलेज की निदेशक डॉ. शाजिया बेगम तथा नए छात्रों और उनके अभिभावकों की उपस्थिति में, हकीम अजमल खान सेमिनार हॉल में प्रातः 11:00 बजे, डॉ. मुहम्मद मुज्जमिल की मधुर आवाज में कुरआन पाक के पाठ से समारोह का शुभारंभ हुआ,

तत्पश्चात परंपरा के अनुसार छात्रों ने तराना इरम प्रस्तुत किया। जराहत विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर जुबैर अहमद ने कार्यक्रम का संचालन किया, कार्यक्रम के औपचारिक प्रारंभ से पूर्व अतिथियों का गुलदस्ता, शॉल और मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अब्दुल हलीम कासमी ने स्वागत एवं उद्घाटनीय भाषण के बाद, सचिव खाजा सैयद मोहम्मद सैफी यूनुस ने विशेष रूप से ट्रांजीशनल करिकुलम के महत्व पर एक विद्वतापूर्ण और दार्शनिक चर्चा की, जिसमें ऐतिहासिक संदर्भ में इसकी वास्तविकता और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट किया तथा इसकी आवश्यकता को समझने पर जोर दिया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर जमाल

अख्तर ने इरम यूनानी मेडिकल कॉलेज को भारत के अग्रणी यूनानी चिकित्सा संस्थानों में शामिल होने पर बधाई दी और छात्रों को कॉलेज में उपलब्ध सभी सुविधाओं का पूरा उपयोग करने और भविष्य में खुद को बेहतर बनाने की सलाह दी।

इंजीनियर खाजा सैयद मोहम्मद फौजी यूनुस निदेशक, इरम एजुकेशनल सोसाइटी (ने कहा कि "ट्रांजीशनल करिकुलम" केवल एक शिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के बौद्धिक और भावनात्मक विकास का माध्यम है। यह उन्हें चिकित्सा शिक्षा के नए चरण में आत्मविश्वास और सामर्थ्य के साथ प्रवेश करने में सहायता प्रदान करेगा।

समारोह के अध्यक्ष डॉक्टर खद्वाजा सैयद मोहम्मद बज्मी यूनुस (मैनेजर, इरम एजुकेशनल

सोसाइटी) ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि "इरम एक ऐसा संस्थान है जहाँ ज्ञान और नैतिकता का सुंदर संगम देखने को मिलता है। यहाँ शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानव सेवा की भावना को जगाना है।" उन्होंने विद्यार्थियों को यूनानी चिकित्सा के स्वर्णिम सिद्धांतों को समझने और अपने शिक्षकों के अनुभव से अधिकतम लाभ उठाने की प्रेरणा दी। समारोह का समापन डॉक्टर सना हसन के धन्यवाद शब्दों के साथ हुआ। ज्ञात हो कि उपरोक्त प्रशिक्षण कक्षाएं अगले पंद्रह दिनों तक जारी रहेंगी, जिसमें चिकित्सा जगत एवं अन्य शैक्षणिक क्षेत्रों के विशेषज्ञों के महत्वपूर्ण भाषण होंगे।



ارم یونانی میڈیکل کالج میں 'ٹرانزیشنل کریکلم' کلاسز کا ہوا آغاز



کی تعلیمی فضا اور تربیتی ماحول یہ ظاہر کرتا ہے کہ ادارہ طب یونانی کے سنہری مستقبل کے لئے ایک مضبوط ستون بن چکا ہے۔

مہمان خصوصی دانش آزاد وزیر اوقاف و حج حکومت اتر پردیش نے اپنے خطاب میں کہا کہ حکومت اتر پردیش طب یونانی سمیت تمام روایتی نظام ہائے طب کے فروغ اور ان کی جدید سائنسی بنیادوں پر ترقی کے لئے سنجیدہ کوششیں کر رہی ہے۔ ارم یونانی

میڈیکل کالج جیسے ادارے نہ صرف اس مقصد کے لئے مثال ہیں بلکہ نئی نسل کے امید کی کرن بھی ہیں۔ انہوں نے ارم یونانی میڈیکل کالج کو اس کامیاب آغاز پر مبارکباد پیش کی اور طلباء کو اپنے علم و ہنر کے ذریعے طب یونانی کی خدمت کا مشن جاری رکھنے کی ترغیب دی۔ تقریب کے اختتام پر پرنسپل پروفیسر عبد الحلیم قاسمی نے طلباء، والدین اور مہمانان گرامی کا شکریہ ادا کیا۔



ایسی نسل تیار کر رہے ہیں جو طب کے ساتھ ساتھ اخلاق و کردار میں بھی امتیاز رکھتی ہے۔

مہمان اعزازی پروفیسر جمال اختر ڈائریکٹر، یونانی خدمات، اتر پردیش نے کہا کہ ارم یونانی میڈیکل کالج نے ریاست میں طب یونانی کے فروغ میں نمایاں کردار ادا کیا ہے۔ کالج نے نہایت قلیل مدت میں جس تیزی سے ہندوستان کے طبی کالجوں میں اپنی امتیازی شناخت قائم کی ہے وہ قابل تحسین ہے۔ یہاں

ذی وقار موجود تھے۔

ابتدا میں مہمانان گرامی کو شال، گلدرستہ اور مٹھن پیش کر کے پرتپاک انداز میں خوش آمدید کہا گیا۔ بعد ازاں پروفیسر عبد الحلیم قاسمی نے استقبالیہ کلمات ادا کئے۔ ڈاکٹر خواجہ سید محمد بڑی پونس نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ ارم ایجوکیشنل سوسائٹی کا مقصد ہمیشہ یہی رہا ہے کہ تعلیم کو خدمت انسانیت سے جوڑا جائے۔ ہمیں فخر ہے کہ ہم

لکھنؤ۔ (پریس ریلیز)۔ ارم ایجوکیشنل سوسائٹی کے زیر انتظام ارم یونانی میڈیکل کالج میں نئے طلباء و طالبات کے لئے پندرہ روزہ 'ٹرانزیشنل کریکلم' کلاسز کا آغاز ایک پروقار تقریب کے ساتھ ہوا۔ تقریب کا آغاز حکیم اجمل خاں سیمینار ہال میں ڈاکٹر محمد منزل (شعبہ علم الجراحات) کی دل نشین تلاوت کلام پاک سے ہوا، جس کے بعد طالبات نے ترانہ ارم پیش کیا۔ پروگرام کی نظامت پروفیسر زبیر احمد خان نے انجام دی۔ تقریب کی صدارت ڈاکٹر خواجہ سید محمد بڑی پونس نے کی، جبکہ مہمان خصوصی کے طور پر دانش آزاد انصاری وزیر اوقاف و حج، حکومت اتر پردیش موجود تھے۔ ان کے ہمراہ پروفیسر جمال اختر (ڈائریکٹر، یونانی خدمات، اتر پردیش)، انجینئر خواجہ سید محمد سیفی پونس (سیکرٹری، ارم ایجوکیشنل سوسائٹی)، ڈاکٹر شاذیہ بیگم (ڈائریکٹر، ارم یونانی میڈیکل کالج) بھی بحیثیت مہمانان

ارم یونانی میڈیکل کالج میں نئے طلباء و طالبات کیلئے پندرہ روزہ ٹرانزیشنل کریکلم کلاسیز کا آغاز

لکھنؤ: ارم ایجوکیشنل سوسائٹی، لکھنؤ کے زیر انتظام ارم یونانی میڈیکل کالج میں این۔سی۔آئی، ایس۔ایم کی ہدایات کے مطابق تعلیمی سال 2025 میں داخل نئے طلباء و طالبات کے لیے پندرہ روزہ ٹرانزیشنل کریکلم کلاسیز کا آغاز ایک پُر وقار تقریب کے ساتھ خوش اسلوبی سے انجام دی۔

اس پُر وقار تقریب کی صدارت ڈاکٹر خولجہ سید محمد بزمی یونس (مینجر سوسائٹی) نے کی، جبکہ مہمان خصوصی کے طور پر مسٹر دانش آزاد انصاری (وزیر اوقاف و حج، حکومت اتر پردیش) تشریف فرما تھے۔ ان کے ہمراہ



ہوا۔ اس تربیتی سلسلے کا مقصد طلباء کو طب یونانی کی افادیت و عظمت سے روشناس کرانا، ان میں فکری اعتماد اور تعلیمی سنجیدگی پیدا کرنا، نیز وزارتِ آیوش و این۔سی۔آئی۔ایس۔ایم کے ضوابط و رہنما اصولوں سے آگاہ کرنا ہے۔ تقریب کا آغاز صبح 11 بجے حکیم اجمل خاں سیمینار ہال میں ڈاکٹر محمد مزمل (شعبہ علم الجراثیم) کی دل نشین تلاوتِ کلامِ پاک سے ہوا، جس کے بعد طالبات نے والہانہ انداز میں ترانہ ارم پیش کیا۔ پروگرام کی نظامت پروفیسر زبیر احمد خان (شعبہ امراض عین، اذن، انف، خلق و انسان) نے نہایت

پروفیسر جمال اختر (ڈائریکٹر، یونانی خدمات، اتر پردیش)، انجینئر خولجہ سید محمد سیفی یونس (سیکرٹری، ارم ایجوکیشنل سوسائٹی)، ڈاکٹر شاذیہ بیگم (ڈائریکٹر، ارم یونانی میڈیکل کالج) بھی بحیثیت مہمانانِ ذی وقار موجود تھے۔ ڈاکٹر خولجہ سید محمد بزمی یونس (مینجر ارم ایجوکیشنل سوسائٹی) نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ ارم ایجوکیشنل سوسائٹی کا مقصد ہمیشہ یہی رہا ہے کہ تعلیم کو خدمتِ انسانیت سے جوڑا جائے۔ ہمیں فخر ہے کہ ہم ایسی نسل تیار کر رہے ہیں جو طب کے ساتھ ساتھ اخلاق و کردار میں بھی امتیاز رکھتی ہے۔

03-11-2025

’ارم ایجوکیشنل سوسائٹی کا مقصد تعلیم کو انسانیت کی خدمت سے جوڑا جائے‘ ارم یونانی میڈیکل کالج میں نئے طلبہ و طالبات کیلئے پندرہ روزہ ”ٹرانزیشنل کریکلم“ کلاسیز کا آغاز

یہی رہا ہے کہ تعلیم کو خدمتِ انسانیت سے جوڑا جائے۔ ہمیں فخر ہے کہ ہم ایسی نسل تیار کر رہے ہیں جو طب کے ساتھ ساتھ اخلاق و کردار میں بھی امتیاز رکھتی ہے۔

مہمان خصوصی دانش آزاد وزیر اوقاف و حج نے کہا کہ حکومت اتر پردیش طب



یونانی سمیت تمام روایتی نظام ہائے طب کے فروغ اور ان کی جدید سائنسی بنیادوں پر ترقی کے لیے سنجیدہ کوششیں کر رہی ہے۔ ارم یونانی میڈیکل کالج جیسے ادارے نہ صرف اس مقصد کے لیے مثال ہیں بلکہ نئی نسل کے لیے امید کی کرن بھی ہیں۔ تقریب کے اختتام پر پرنسپل پروفیسر عبدالعلیم قاسمی نے طلباء، والدین اور مہمانان کا شکریہ ادا کیا۔ تقریب سے انجینئر خواجہ سید محمد سیفی یونس (سکریٹری، ارم ایجوکیشنل سوسائٹی)، مہمان اعزازی پروفیسر جمال اختر نے بھی خطاب کیا۔

صدر ڈاکٹر خواجہ سید محمد بزمی یونس (منیجر سوسائٹی) نے کی جبکہ مہمان خصوصی کے طور پر دانش آزاد انصاری (وزیر اوقاف و حج، حکومت اتر پردیش) شامل ہوئے۔ ان کے ہمراہ پروفیسر جمال اختر (ڈائریکٹر، یونانی خدمات، اتر پردیش)، انجینئر خواجہ سید محمد سیفی یونس (سکریٹری، ارم ایجوکیشنل سوسائٹی)، ڈاکٹر شازیہ بیگم (ڈائریکٹر، ارم یونانی میڈیکل کالج) بطور مہمانانِ ذی وقار موجود تھے۔ ڈاکٹر خواجہ سید محمد بزمی یونس نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ ارم ایجوکیشنل سوسائٹی کا مقصد ہمیشہ

لکھنؤ (پریس ریلیز) ارم ایجوکیشنل سوسائٹی کے زیر انتظام ارم یونانی میڈیکل کالج میں این سی آئی ایس ایم کی ہدایات کے مطابق تعلیمی سال ۲۰۲۵ء میں داخل نئے طلباء و طالبات کیلئے پندرہ روزہ ”ٹرانزیشنل کریکلم“ کلاسیز کا آغاز ایک پُر وقار تقریب کے ساتھ ہوا۔ اس تربیتی سلسلے

کا مقصد طلباء کو طب یونانی کی افادیت و عظمت سے روشناس کرانا، ان میں فکری اعتماد اور تعلیمی سنجیدگی پیدا کرنا، نیز وزارتِ آیوش و این سی آئی ایس ایم کے ضوابط و رہنما اصولوں سے آگاہ کرنا ہے۔ تقریب کا آغاز صبح ۱۱ بجے حکیم اجل خاں سمینار ہال میں ڈاکٹر محمد مزمل (شعبہ علم الجراثیم) کی تلاوتِ کلامِ پاک سے ہوا، جس کے بعد طالبات نے ترانہ ارم پیش کیا۔ پروگرام کی نظامت پروفیسر زبیر احمد خان (شعبہ امراض عین، اذن، انف، حلق و اسنان) نے کی۔ تقریب کی



روزنامہ راشٹریہ

سہارا

ارم یونانی میڈیکل کالج میں نئے طلبہ کیلئے پندرہ روزہ کلاسیز کا آغاز



لکھنؤ (پریس دیلیز)

ارم ایجوکیشنل سوسائٹی کی تحت ارم یونانی میڈیکل کالج میں این، سی، آئی، ایس، ایم کی ہدایات کے مطابق تعلیمی سال 2025 میں داخل نئے طلباء و طالبات کے لیے پندرہ روزہ 'ٹرانزیشنل کریکلم' کلاسیز کا آغاز ہوا۔ اس تربیتی سلسلے کا مقصد طلباء کو طب یونانی کی افادیت و عظمت سے روشناس کرانا، ان میں فکری اعتماد اور تعلیمی سنجیدگی پیدا کرنا، نیز وزارتِ آیوش و این سی آئی ایس، ایم کے ضوابط و رہنما اصولوں سے آگاہ کرنا ہے۔ تقریب کا آغاز صبح 11 بجے حکیم اجمل خاں سمینار ہال میں ڈاکٹر محمد مزمل شعبہ علم الجراحات کی تلاوتِ کلامِ پاک سے ہوا۔ پروگرام کی نظامت پروفیسر زبیر احمد خان شعبہ امراض عین، اذن، انف، حلق و اسنان نے کی۔ تقریب کی صدارت ڈاکٹر خواجہ سید محمد بزمی یونس نیجر سوسائٹی نے کی، جبکہ مہمان خصوصی کے طور پر وزیر مملکت برائے اوقاف دانش آزاد انصاری شامل ہوئے۔ اس موقع پر پروفیسر جمال اختر ڈائریکٹر، یونانی خدمات، اتر پردیش، انجینئر

تمام روایتی نظام ہائے طب کے فروغ اور ان کی جدید سائنسی بنیادوں پر ترقی کے لیے سنجیدہ کوششیں کر رہی ہے۔ ارم یونانی میڈیکل کالج جیسے ادارے نہ صرف اس مقصد کے لیے مثال ہیں بلکہ نئی نسل کے لیے امید کی کرن بھی ہیں۔ انہوں نے کہا کہ یونانی طب کا فلسفہ انسانی صحت کو جسم، ذہن اور روح کے توازن سے جوڑتا ہے۔ آج کے نوجوان معالجین پر ذمہ داری ہے کہ وہ اپنی تعلیم کو محض پیشہ نہیں بلکہ ایک مقدس خدمت کے طور پر اپنائیں۔ حکومت ہمیشہ ایسے اداروں کے ساتھ کھڑی ہے جو معیاری تعلیم اور عوامی فلاح کو اپنا نصب العین بناتے ہیں۔ پروگرام کا اختتام ڈاکٹر ثنا حسن شعبہ امراض جلد و تزئینات کے کلماتِ تشکر پر ہوا۔

خواجہ سید محمد سیفی یونس سیکریٹری، ارم ایجوکیشنل سوسائٹی، ڈاکٹر شاذیہ بیگم ڈائریکٹر، ارم یونانی میڈیکل کالج بھی بحیثیت مہمانانِ ذی وقار موجود تھے۔ مہمانوں کا خیر مقدم مومنٹو پیش کر کے کیا گیا۔ بعد ازاں پروفیسر عبدالحلیم قاسمی پرنسپل، ارم یونانی میڈیکل کالج نے استقبالیہ کلمات پیش کئے۔ ڈاکٹر خواجہ سید محمد بزمی یونس نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ ارم ایجوکیشنل سوسائٹی کا مقصد ہمیشہ یہی رہا ہے کہ تعلیم کو خدمتِ انسانیت سے جوڑا جائے۔ ہمیں فخر ہے کہ ہم ایسی نسل تیار کر رہے ہیں جو طب کے ساتھ ساتھ اخلاق و کردار میں بھی امتیاز رکھتی ہے۔ وزیر دانش آزاد انصاری نے اپنے خطاب میں کہا کہ حکومت اتر پردیش طب یونانی سمیت